मैथिलीशरण गुप्त

12th (सामान्य एवं साहित्य वर्ग हेतु)

जीवन-परिचय :-

मैथिलीशरण गुप्त जी का जन्म 3 अगस्त सन् 1886 ई० को चिरगाँव जिला झाँसी (उ० प्र०) में हुआ था। पिता का नाम सेठ रामचरण गुप्त था। इनके गुरु आ० महावीर प्रसाद द्विवेदी थे। हिन्दी साहित्य-संसार में राष्ट्रकवि के नाम से विख्यात मैथिलीशरण गुप्त 12 दिसम्बर सन 1964 ई० में हमें छोड़कर पंचतत्व में लीन हो गये।

Scanned by TapScanner

साहित्यिक-परिचय :—

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी साहित्यकार थे। साहित्य जगत में गुप्त जी ने कलकत्ता से प्रकाशित 'वैश्योपकारक' पत्रिका के माध्यम से अपने साहित्य को लोगों के मध्य में उतारा। सरस्वती पत्रिका में भी इनके लेख छपते थे। गुप्त जी की रचनाओं में राष्ट्रप्रेम का स्वर मुखरित हुआ है।

राष्ट्रीय विशेषताओं से परिपूर्ण रचनाओं का सृजन करने वाले गुप्त जी को गाँधी जी ने राष्ट्रकवि की उपाधि दी।

Scanned by TapScanner

इनको 'साकेत' कृति के लिए 'मंगलाप्रसाद पारितोषिक' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। भारत सरकार ने इन्हे पद्मभूषण से अलंकृत किया।

कृतियाँ –

1. भारत भारती
2. शकुंतला
3. पंचवटी
4. द्वापर
5. अनघ
6. जयद्रथ वध
7. यशोधरा
8. रंग में भंग

Scanned by TapScanner

Trick → "भारत, की शकुन्तला
पंचवटी में रहते हुए
द्वापर के अनघ की
जय बोल कर यश का
रंग बढ़ा रही है।"

Scanned by TapScanner